'दयावती का कुनबा' कविता की मूल-संवेदना पर विचार कीजिए।

4. कवि केदारनाथ सिंह मानवीय जिजीविषा व उम्मीद के कवि है- विचार कीजिए। (15)

**अथवा**

'एक वृक्ष की हत्या' कविता की प्रासंगिकता पर विचार कीजिए।

5. 'बुनी हुई रस्सी' कविता का प्रतिपाद्य स्पष्ट कीजिए। (15)

**अथवा**

कवि जगदीश गुप्त के काव्य में आधुनिक भावबोध की गहन अभिव्यक्ति दिखाई पड़ती है - स्पष्ट कीजिए।

6. किन्हीं **दो** पर टिप्पणी लिखिए - (7+7=14)

(क) प्रयोगवादी कविता की प्रमुख विशेषताएं

(ख) 'कलगी बाजरे की' कविता का शिल्प-सौंदर्य

(ग) कवि केदारनाथ सिंह के काव्य में बिंब - विधान

(घ) भवानी प्रसाद मिश्र की काव्य भाषा



[This question paper contains 4 printed pages.]

**Your Roll No.....**

**Sr. No. of Question Paper : 5130** **K**

Unique Paper Code : 2052103502

Name of the Paper : आधुनिक हिंदी कविता (छायावादोत्तर)

Name of the Course : **B.A. (Hons.) Hindi**

Semester : V - DSC

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 90

**छात्रों के लिए निर्देश**

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।
2. सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

SRI AUROBINDO COLLEGE तमसो मा ज्योतिर्गमय UNIVERSITY OF DELHI

1. किन्हीं **दो** काव्यांशों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए: (8×2=16)

(क) आज हम शहरातियों को
पालतू मालंच पर सँवरी जुही के फूल से
सृष्टि, के विस्तार का - ऐश्वर्य का -
औदार्य का -

कहीं सच्चा, कहीं प्यारा
एक प्रतीक
बिछली घास है
या शरद की साँझ के सूने गगन की पीठिका पर
दोलती कलगी अकेली
बाजरे की।

**अथवा**

याद आते स्वजन
जिनकी स्नेह से भीगी अमृतमय आँख
स्मृति विहंगम की कभी न थकने देगी पांख
याद आता मुझे अपना वह 'शतरउनी' ग्राम
याद आती लीचियाँ, वे आम
याद आते मुझे मिथित्रा के रुचिर भू-भाग
याद आते धान
याद आते कमल, कुमुदिनी और तालमखान-

(ख) पिछले साठ बरसों से
एक सुई, और तागे के बीच
दबी हुई है माँ
हालांकि वह खुद एक करघा है



जिस पर साठ बरस बुने गये हैं।
धीरे-धीरे तह पर तह
खूब मोटे और गझिन और खुरदुरे
साठ बरस।

**अथवा**

जी, पहले कुछ दिन शर्म जगी मुझको,
पर बाद में अक्ल जगी मुझको,
जी, लोगो ने तो बेच दिए ईमान,
जी, आप न हो सुनकर ज़्यादा हैरान -
मैं सोच समझकर आखिर
अपने गीत बेचता हूँ।

2. नागार्जुन प्रगतिशील चेतना के वाहक कवि हैं- स्पष्ट कीजिए। (15)

**अथवा**

'पंद्रह अगस्त' कविता राष्ट्रीय सरोकारों की कविता है- विचार कीजिए।

3. अज्ञेय वैयक्तिकता व सामाजिकता का एक साथ निर्वाह करते है- स्पष्ट कीजिए। (15)

**अथवा**



SRI AUROBINDO COLLEGE तमसो मा ज्योतिर्गमय UNIVERSITY OF DELHI